महाराष्ट्र, कर्नाटक में चीनी उत्पादन में होगी और एक महीने की देर

[पीटीआई। नई दिल्ली]

शुगर इंडस्ट्री बॉडी ISMA के मुताबिक महाराष्ट्र और कर्नाटक में शुगर ईयर 2019-20 में चीनी उत्पादन शुरू होने में एक महीने की और देर हो सकती है। इसका कारण यह है कि इन राज्यों में मिलों ने गन्ने की कमी और बारिश की वजह से अभी तक काम शुरू नहीं किया है। हालांकि, संस्था ने कहा कि उत्तर प्रदेश में दिवाली का त्योहार मनाने के बाद मजदूर काम के लिए उपलब्ध होंगे। इससे राज्य में चीनी का प्रॉडक्शन अगले हफ्ते से शुरू हो सकता है। उत्तर प्रदेश देश में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। आमतौर पर गन्ने की पेराई अक्टूबर मध्य, खासकर दिवाली के बाद से शुरू होती है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (ISMA) के डायरेक्टर जनरल अविनाश वर्मा ने बताया, 'महाराष्ट्र की मिलों ने गन्ने की पेराई शुरू नहीं की है क्योंकि राज्य सरकार ने अभी तक काम शुरू करने की तारीख नहीं तय की है। इसके अलावा राज्य में गन्ने की कम उपलब्धता होने से भी मिलें प्रॉडक्शन में देरी कर रही हैं।' उन्होंने कहा कि इस साल रकबे में कमी से महाराष्ट्र में गन्ने का उत्पादन घट सकता है। राज्य में इस साल गन्ने का रकबा 7.7 लाख हेक्टेयर था जो फसल वर्ष 2018-19 (जुलाई-जून) में 11.5 लाख हेक्टेयर था। महाराष्ट्र देश का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है। वर्मा के मुताबिक, सोलापुर और मराठवाड़ा जैसे इलाकों में पेराई में देरी हो सकती है क्योंकि इन क्षेत्रों में कम बारिश होने से गन्ने के उत्पादन में गिरावट आने की आशंका है।

हालांकि, दक्षिणी महाराष्ट्र जैसे सांगली, कोलापुर और पुणे में गन्ने की फसल अच्छी स्थिति में है। राज्य सरकार जैसी ही मिलों में काम शुरू होने की तारीख तय करती है, वैसे ही यहां पेराई शुरू हो जाएगी। इसी तरह कर्नाटक के बेलगाम, बागलकोट और बीजापुर जैसे जिलों में बाढ़ आने की वजह से राज्य में पेराई में देरी हो सकती है। कर्नाटक में भी गन्ने का रकबा घटा है। राज्य में पिछले साल गन्ने का रकबा घटकर 2019-20 में 4.20 लाख हेक्टेयर रहा है जो पिछले साल 5.02 लाख हेक्टेयर था। इस आधार पर इस साल चीनी का उत्पादन घटकर 50.2 लाख टन रहने का अनुमान है जो 2018-19 में 43.6 लाख टन था। वर्मा का कहना है कि उत्तर प्रदेश में पेराई में देरी नहीं हुई है क्योंकि आमतौर पर राज्य में चीनी मिलें दिवाली के बाद ही काम शुरू करती हैं। राज्य में इस फसल वर्ष 2019-20 में गन्ने का रकबा पिछले साल से मामूली 2 पर्सेंट घटकर 23.60 लाख हेक्टेयर रहा है।

Economic Times

4/11/19